पंजाब केसरी 20/11/2024

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में हुआ वैबीनार

अम्बाला, 19 नवम्बर (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला छावनी के संस्कृत, कम्प्यूटर एवं हिंदी विभाग द्वारा राष्ट्रीय मुक्त संवाद: संस्कृत शास्त्रीय एवं पश्चिमी मानवाधिकार विषय पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोण से मानवाधिकारों के विषय में संवाद करना था, जिसमें संस्कृत शास्त्रों और पश्चिमी मानवाधिकारों के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास किया गया। वैबीनार की शुरुआत 20 मिनट की पावर प्वाइंट प्रस्तुति से हुई, जिसे भारतीय समाज अध्ययन एवं संस्कृत केंद्र द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस प्रस्तुति के बाद खुले संवाद, ओपन हाऊस डायलॉग का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षाविदों, छात्रों और अन्य भागीदारों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। भारतीय शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की मानवाधिकारों की समझ चर्चा का मुख्य बिंदु रहा। चर्चा में यह सवाल भी उठाया गया कि क्या भारतीय शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी अपने संस्थानों में मानवाधिकार की अवधारणा को सही रूप से समझते हैं और क्या वे इसे अपने दैनिक व्यवहार में लागू करते हैं।

इस वैबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में अक्षय, इंदरजीत, डा. अखिलेश और डा. आशुतोष अंगिरस ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने विचार सांझा किए। इन्होंने भारतीय और पश्चिमी मानवाधिकार अवधारणाओं के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली और प्रतिभागियों के सवालों के उत्तर दिए। कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने इस आयोजन के सफलतापूर्वक समापन पर सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैबीनार का आयोजन कॉलेज के लिए गर्व का विषय है। इस आयोजन ने हमें संस्कृत शास्त्रों के माध्यम से पश्चिमी मानवाधिकारों को बेहतर तरीके से समझने का अवसर दिया है। यह प्रयास शिक्षाविदों, छात्रों और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वैबीनार में जी.एम.एन. कॉलेज के शैक्षणिक वर्ग के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने खुला संवाद सत्र के दौरान उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और मानवाधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर अपनी जिज्ञासा व्यक्त की।